एक नजर में

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक 5 मार्च को

मंदसौर। मुख्?य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुकूल जैन द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्?यक्षता में 5 मार्च 2026 को दोपहर 1:00 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष मे आयोजित होगी।

भारत विकास परिषद शाखा ने सत्र 2025-26 का तीसरा नेत्रदान सफलतापूर्वक संपन्न किया

नीमच। सेवा और संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी संस्था भारत विकास परिषद शाखा नीमच ने सत्र 2025-2026 का तीसरा नेत्रदान सफलतापूर्वक संपन्न कराया। यह पुण्य कार्य इंदिरा नगर निवासी श्रीमती रुक्मणी मालवीय (85 वर्ष) के देहावसान के बाद उनके परिजनों की सहमति से किया गया। परिषद परिवार ने इसे मानव सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय श्रीमती मालवीय के परिजनों ने दु:ख की घड़ी में भी समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए नेत्रदान का निर्णय लिया। परिषद के पदाधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी कराई। इस नेत्रदान से दो जरूरतमंद व्यक्तियों को दृष्टि मिलने की संभावना है, जो किसी के जीवन में उजाला भरने जैसा है। नेत्रदान के अवसर पर परिषद के अध्यक्ष रवि पोरवाल, सुनील सिंघल, अनिल गोयल, अशोक मंगल, जीतू शक्तावत, मनोज माहेश्वरी, सतीश गोयल, सुनिश चौरड़िया और वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मुकेश पोरवाल उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के इस परोपकारी निर्णय की सराहना की। इस नेक कार्य में विशेष सहयोग गोमाबाई नेत्रालय की टीम और अनिल गोयल का रहा। चिकित्सकीय दल ने समयानुसार नेत्र सुरक्षित रूप से संकलित किए। परिषद परिवार ने नेत्रालय की टीम को भी धन्यवाद ज्ञापित किया। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि नेत्रदान महादान है, जिससे किसी नेत्रहीन व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। संस्था लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है, ताकि लोग मृत्यु उपरांत नेत्रदान के लिए प्रेरित हों। सत्र 2025-26 में यह परिषद शाखा द्वारा संपन्न तीसरा नेत्रदान है। अंत में परिषद परिवार ने पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को इस परोपकारी एवं पुण्य कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कक्षा 5 वी एवं 8वी के बच्चों को विद्यालय परिवार ने दी विदाई

अठाना। शासकीय माध्यमिक विद्यालय चड़ोल, जन शिक्षा केंद्र अठाना के कक्षा पांचवी एवं आठवीं में अध्यनरत बच्चों को संस्था प्रधान एवं स्टाफ साथियों के साथ विद्यालय परिवार की ओर से विदाई दी गई, संस्था द्वारा सभी बच्चों को दो पेन वितरण किए गए एवं गुलाल लगाकर शानदार आयोजन कर सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना के साथ विदाई दी गई, कक्षा आठवीं में अध्यनरत बच्चों ने विद्यालय को विद्या की देवी मां सरस्वती की एक तस्वीर भेंट की गई, संस्था प्रधान बद्रीलाल गौड़ ने सभी बच्चों को ईमानदारी से कार्य करने एवं माता-पिता एवं गुरु जी का सम्मान करने की सीख दी।

नाहर सैय्यद मेला कौमी एकता का प्रतीक : राज्यसभा सांसद गुर्जर

मंदसौर। 49 वें राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला का कल समापन हुआ। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मेला के अंतिम दिवस रात्रि 10 बजे से देर रात्रि तक महफिले कव्वाली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। फैजाबाद (उ.प्र.) के सुप्रसिद्ध कव्वाल साकिब अली साबरी एवं कानपुर (उ.प्र.) के सुप्रसिद्ध कव्वाल शीबा परवीन ने महफिले कव्वाली में शानदार प्रस्तुति दी। देर रात्रि तक चले इस कव्वाली के प्रोग्राम में बड़ी संख्या में मंदसौर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकगण शामिल हुए और उन्होंने कव्वाली का आनंद लिया। कव्वाली के प्रोग्राम में दोनों कव्वाल पार्टियों ने हिन्दू-मुस्लिम एकता के ऐसे तराने पेश किये कि सुनने वाले दाद दिये बगैर नहीं रह सके। शाकीब अली साबरी ने कहा "सीखना है तो परिन्दों से सीखो उनमें फिरकापरस्ती नहीं होती, कभी मस्जिद पर तो कभी मंदिर पर जा बैठते हैं। आओ हम ऐसा हिन्दुस्तान बनाये जहाँ हिन्दू-मुसलमान एक ही थाली में खाये।"

कव्वाली के प्रोग्राम के पूर्व नपा परिषद मंदसौर के द्वारा कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि छोटे मियांजी सरकार, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, मंदसौर विधायक विपिन जैन, भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराना, महेश जुनवाल, पूर्व नपा सभापति शेहजाद पटेल का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, मेला सभापति श्रीमती बब्बन गौरी, समिति सदस्य आशीष गौड, खेरून बी पटेल, मंजू मालवीय, रफत पयामी, नपा जलकार्य सभापति नीलेश जैन, नाहर सैय्यद दरगाह कमेटी सदर युनुस मेव, जिला वक्फ समिति अध्यक्ष शाकिर गढवी, भाजपा नेता राजेश गुर्जर, पार्षद गोवर्धन कुमावत, राजेश सोनी ऐरावाला, राकेश भावसार, भाजपा नेता गुड्डू शाह, धमनार, अफ़ज़ल हुसैन शाह, खलील खान पठान, विश्वास दुबे, मेला अधिकारी पी.एल. धारवे, मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा आदि ने पुष्पहार पहनाकर किया।

मियाजी सरकार ने कहा कि यह मेला कौमी एकता का प्रतीक है यहाँ नि:संतान दम्पति की संतान की मनोकामना पूरी होती है। नपा परिषद अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर एवं मेला समिति ने इस वर्ष मेला की व्यवस्थाएं अच्छी की है।

राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि मेला भारतीय संस्कृति के आधार हैं। मेला में केवल व्यापार व्यवसाय ही नहीं होता, बल्कि एक दूसरे से मिलना जुलना होता है इससे हमारा भाईचारा भी बढ़ता है। नाहर सैय्यद की दरगाह कौमी एकता की मिसाल है हिन्दू मुस्लिम भाईचारे की पहचान है हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिये।

भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित ने कहा कि नाहर सैय्यद की दरगाह पर नपा परिषद 49 वर्षों से कौमी एकता का मेला लगा रही है। नपा की जो व्यवस्थाएं है वह कौमी एकता की भावना को मजबूत करने वाली है।

विधायक विपिन जैन ने कहा कि नपा परिषद के द्वारा मेला की जो व्यवस्थाएं की गयी है वह सराहनीय है यह कौमी एकता का मेला मंदसौर की पहचान है।

स्वागत उद्बोधन देते हुए नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि तीन दिवसीय मेला के आयोजन में मेला समिति के सदस्यों ने सराहनीय कार्य किया है नपा के कर्मचारियों ने इस मेला के लिये बहुत परिश्रम किया है। कार्यक्रम का संचालन पूर्व नपा सभापति शेहजाद पटेल ने किया व आभार मेला सभापति बब्बन युसुफ गौरी ने माना।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक कल

मंदसौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुकूल जैन द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत सामान?य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में 5 मार्च 2026 को दोपहर 12:00 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष मे आयोजित होगी।

भारत विकास परिषद परिवार का होली मिलन समारोह भूतेश्वर मंदिर पर

नीमच। सेवा संस्कार मे अग्रणी भारत विकास परिषद शाखा नीमच द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी परिषद परिवार के सदस्यों का होली मिलन समारोह दिनांक 04 मार्च बुधवार को धुलेंडी पर्व पर सुबह 09:30 बजे से भूतेश्वर महादेव मंदिर पर रखा गया है, जिसमे परिषद परिवार के सदस्य एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली के पावन पर्व की शुभकामनाएं देंगे। उपरोक्त जानकारी भारत विकास परिषद शाखा नीमच के मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता मनोज माहेश्वरी द्वारा दी गई।

सकल ब्राह्मण महिला मंडल ने मनाया फाग उत्सव, फूलों से खेली जमकर होली

नीमच। होली के आगमन की आहट के साथ ही फागोत्सव की रंगत भी चरम पर पहुंचने लगी है। इसी कड़ी में सकल ब्राह्मण महिला प्रकोष्ठ द्वारा श्री परशुराम महादेव मंदिर में फागोत्सव का आयोजन किया गया। पूरा सभागार रंग-बिरंगे परिधानों, मधुर फाग गीतों और उत्साह से भरे माहौल से सराबोर नजर आया। महिलाओं ने पारंपरिक होली गीतों पर जमकर मस्ती की और भक्ति-रस से ओतप्रोत वातावरण में आनंद की वर्षा कर दी। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत दीप प्रज्वलन और भगवान के समक्ष वंदना से हुई। इसके बाद भजन-कीर्तन और सत्संग का दौर चला।

सकल ब्राह्मण महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती मधु चतुर्वेदी ने होली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश हुए बताया फागोत्सव केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे का प्रतीक है—इस भावना को मंडली की महिलाओं ने गीतों और प्रवचनों के माध्यम से आत्मसात कराया।

भजन-कीर्तन में बिखरा श्रद्धा का रंग-

महिलाओं ने 'रंग मत डारो ने सांवरिया..., जैसे पारंपरिक फाग गीतों के साथ-साथ कृष्ण-राधा के प्रेम से जुड़े भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। ढोलक और मंजीरे की थाप पर जब सुरों की गूंज उठी तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने सामूहिक भजन प्रस्तुत किए जिस पर उपस्थित महिलाओं ने तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। भजन-कीर्तन के बाद नृत्य का दौर शुरू हुआ। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने होली के गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

एक नजर — गुरु कृपा विहार कॉलोनी में नवविवाहित दंपत्ति ने की परिक्रमा

मंदसौर की कॉलोनियों में श्रद्धा और उल्लास के साथ होलिका दहन

मंदसौर। होली पर्व की पूर्व संध्या पर शहर की विभिन्न कॉलोनियों में पारंपरिक विधि-विधान से होलिका दहन किया गया। इसी क्रम में गुरु कृपा विहार कॉलोनी में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के साथ होलिका दहन सम्पन्न हुआ।

कॉलोनीवासियों ने निर्धारित स्थान पर विधिवत पूजा-अर्चना कर होलिका प्रज्वलित की। शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्वलन के साथ ही महिलाओं ने मंगलगीत गाए और परिवारों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। अग्नि की लपटों के बीच वातावरण में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। विशेष आकर्षण का केंद्र कॉलोनी का नवविवाहित जोड़ा रहा, जिसने पारंपरिक परिधान में होलिका की परिक्रमा कर वैवाहिक जीवन की सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। उपस्थित बुजुर्गों ने नवदम्पत्ति को आशीर्वाद प्रदान किया। मान्यता के अनुसार होलिका दहन की परिक्रमा करने से नकारात्मकता का नाश होता है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है।

कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। होलिका दहन के पश्चात श्रद्धालुओं ने अग्नि की राख को तिलक के रूप में लगाया, जिसे शुभ माना जाता है। कई परिवारों ने नई फसल की बालियां भी अग्नि में अर्पित कर समृद्धि की प्रार्थना की।

कॉलोनी समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामूहिक सहयोग से आयोजन किया गया। सभी रहवासियों ने मिलकर व्यवस्थाएं संभालीं, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस प्रकार मंदसौर की कॉलोनियों में परंपरा और सामाजिक एकजुटता का सुंदर उदाहरण देखने को मिला, जहां होलिका दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया।

एक नजर में

आर्य समाज में होली पर्व मनाया गया

नीमच। आर्य समाज नीमच पं. रामचन्द्र देहलवी मार्ग (घंटाघर के पास) पर फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा दिनांक 3 मार्च को हर्षोल्लास के साथ वासन्तीक नवसस्येष्टि होलीका पर्व मनाया गया। इस अवसर पर नारकोटिक्स उच्च अधिकारी श्री राजेशजी पारेख ने अपने उद्बोधन में कहा कि होली पर्व सनातन है इस पर्व को समाज के सभी मिलकर राष्ट्रीय, धार्मिक भावना के साथ मिलकर मनाते हैं। बसन्त ऋतु का मुख्य पर्व है। इस समय प्रकृति फल-फूल, अन्न-औषधि से परिपूर्ण रहती है। इस अवसर पर नये अन्न को यज्ञ में अर्पित कर फिर अपने उपयोग में लेते हैं। सभी आपस में रंग-गुलाल लगाकर खुशियां मनाते हैं। इस पर्व के महत्व को वेद मंत्र की व्याख्या कर पर्व के महत्व को बताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य मनोज स्वर्णकार ने पूर्ण विधान से मंगलाचरण, ईशप्रार्थना, स्वस्ती वाचन के साथ वेदों के विशेष मंत्रों के साथ नवान्नयुक्त हवन सामग्री से हवन सम्पन्न करवाया। कार्यक्रम के अंत में गुलाल लगाकर शुभकामना संदेश के साथ शक्तिपाठ कर प्रसाद प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर सुरेशचन्द्र शर्मा, राजेश पारेख, मनोज स्वर्णकार, चन्द्रप्रकाश शर्मा, सरीता शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, याज्ञवल्क्य रतावदिया, भेरूसिंह शक्तावत, रूपनारायण गोयल, गजेन्द्रसिंह शक्तावत, अथर्व शर्मा, सुधा वर्मा आदि अनेक सदस्यगण उपस्थित थे।

दिवाकर युवा संघ का होली मिलन समारोह मनाया

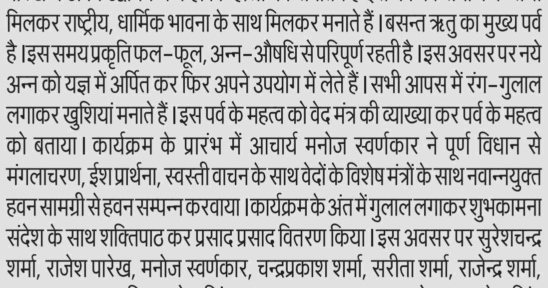

नीमच। श्री जैन दिवाकर युवा संघ का सपरिवार होली मिलन समारोह पूज्य गुरुदेव जैन दिवाकर श्री चौथमल जी म.सा की जन्मभूमि नीमचसिटी स्थित श्री जैन दिवाकर छात्रावास पर दिनांक 1 मार्च रविवार को आयोजित किया गया एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के जाप एवं गुरुदेव की चालीसा एवं प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुआ इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ (राज.) से श्री अखिल भारतीय जैन दिवाकर संगठन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान इंद्रमल सेठिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री सिद्धराज सिंघवी नीमच से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं समाजसेवी श्री संतोष चोपड़ा, श्री मनोहरलाल शंभू बंब, श्री शेरसिंह चौधरी, उमराव सिंह राठौड़, विजय बाफना, राजेंद्र जारौली, भारत कोचट्टा, आदि महानुभाव का मुख्य अतिथि के रूप में पधारना हुआ सभी अतिथियों को मंचासीन करके सभी का सम्मान जैन दिवाकर युवा संघ नीमच द्वारा किया गया. इस अवसर पर सभी अतिथियों ने अपने-अपने विचार प्रकट किऐ. राष्ट्रीय अध्यक्ष सेठिया जी ने कहा की आने वाली 15 मार्च को जैन दिवाकर युवा संघ राष्ट्रीय अधिवेशन उदयपुर में होने जा रहा है इसमें नीमच के जैन दिवाकर गुरुभक्तों को अधिक से अधिक संख्या में आना है नीमच के समाजसेवी श्री संतोष चोपड़ा और मनोहर शंभू बंब ने भी दिवाकर गुरु के प्रति अपने विचार रखें एवं संगठन की आगामी योजनाओं से अवगत कराया.

वार्ड 28 के बूरे हाल : नाला तो बनाया लेकिन सड़क बनाना भूल गए जिम्मेदार

नीमच। वार्ड क्रमांक 28 के रहवासियों काफी समय से मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। वार्ड के विकास कार्य के नाम पर यहां आधे अधूरे कार्य लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए है। एलआईसी मार्ग के समीप दूसरी गली में नगरपालिका ने नाला निर्माण कार्य तो पूरा कर डाला लेकिन गली में सड़क निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया। जिसके कारण वार्ड में आवागमन बाधित होने के साथ ही रात को आए दिन हादसे और दुर्घटनाएं हो रही है।

वाहन चालक उबड़ खाबड़ मार्ग के फिसल कर चोटिल हो रहे है। डामरीकरण के लिए मार्ग की खुदाई करें एक माह से अधिक का समय हो चुका है लेकिन डामरीकरण का कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है। खुदाई के कारण इस मार्ग पर धूल के गुबार उड़ रहे है जो रहवासियों के लिए अस्थमा, एलर्जी और सांस के विभिन्न रोगों की सौगात दे रहे है। यहां रहने वाले लोगों के लिए धूल के गुबार स्वास्थ के लिए गंभीर खतरा बने हुए है। नाले की खुदाई के निकला मलबा रास्ते में ही छोड दिया- रहवासियों ने बताया नाला निर्माण के दौरान रास्ते के दोनों साईडों में ठेकेदार ने खुदाई कर निकलने वाले मिट्टी को रास्ते में भी ढेर के रुप में एकत्रि कर डाला, यह ढेर आवागमन में बाधा पैदा करने के साथ लोगों के लिए कई तरह की परेशान का कारण बना हुआ है। वार्ड में आधे अधूरे निर्माण कार्य की समस्या गंभीर बनी हुई है। जिसके चलते दुर्घटना का खतरा बना रहता है और आवागमन भी बाधित होता रहता है।

इनका कहना

नगरपालिका ने नाले निर्माण कार्य तो पूरा किया लेकिन सड़क निर्माण का कार्य एक माह से बंद पड़ा है। खुदाई के कारण धुल के गुबार उड़ रहे है जिससे रहवासियों को काफी परेशानी हो रही है। जगह-जगह मलबे का ढेर लगे है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह चौपट है, जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे है।

- गिरीश शर्मा, वार्डवासी

रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं मिलना तो दूर जो कार्य नपा ने शुरु किए थे वह भी अधूरे पडे है। सड़क निर्माण के लिए रास्ते की खुदाई कर जिम्मेदार भूल गए है। रहवासियों की परेशानियां बढ रही है। कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

- दिलीप दादनानी, किराना व्यवसायी।

चंद्रग्रहण का असर : नीमच के मंदिरों में बंद रहे पट

नीमच। मंगलवार को लगे चंद्रग्रहण ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक आस्था और परंपराओं को पूरी तरह प्रभावित किया। ग्रहण के सूतक काल के चलते सुबह से ही सभी मंदिरों के पट बंद रहे। श्रद्धालु घरों में रहकर पूजा-पाठ, जप और भजन में लीन रहे, जबकि मंदिरों में नियमित दर्शन स्थगित रखे गए। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार चंद्रग्रहण का सूतक काल ग्रहण से पहले ही प्रभावी हो जाता है। इस दौरान धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंदिरों में प्रत्यक्ष पूजा, भोग और आरती नहीं की जाती। इसी परंपरा का पालन करते हुए शहर के प्रमुख मंदिरों सहित छोटे-बड़े देवालयों के द्वार बंद रखे गए। मंदिर समितियों द्वारा पहले से ही श्रद्धालुओं को इस बारे में सूचना दे दी गई थी। धार्मिक मान्यता के अनुसार ग्रहण काल में भोजन और जल ग्रहण वर्जित माना जाता है, हालांकि बालक, वृद्ध और रोगी इस नियम से मुक्त हैं। कई परिवारों ने ग्रहण से पहले ही भोजन तैयार कर उसमें कुश (दूब) रख दिया था, ताकि वह शुद्ध बना रहे। दिनभर श्रद्धालु मंत्र-जप, रामनाम लेखन और धार्मिक पाठ में लीन रहे।

एक नजर — कब जारी होगी 34वीं किस्त,

1.25 करोड़ लाड़ली बहनों को खाते में 1500 रुपए आने का इंतजार

नीमच। मार्च का महीना लग गया है और इस महीने में लाड़ली बहना योजना की 34वीं किस्त जारी की जाएगी। इसके 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को 1500-1500 रुपए दिए जाने हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह 1500 रुपए दिए जाते हैं। अब तक योजना की 33 किस्तें जारी हो चुकी हैं और अब मार्च में 34वीं किस्त जारी की जाएगी। इस योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रुपए की राशि दी गई है।

आमतौर पर लाड़ली बहना योजना की किस्त हर महीने की 10 से 15 तारीख के बीच जारी की जा सकती है। संभावना है कि होली के बाद पात्र महिलाओं के खाते में मार्च की किस्त के पैसे खातों में भेजे जा सकते हैं। ध्यान रखें जिन महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करा रखा है और पात्रता की शर्तों को पूरा करती हैं, उन्हें ही अगली किस्त का लाभ मिलेगा। जिन महिलाओं ने ई-केवाईसी नहीं करवाई है, उनकी राशि अटक या रुक सकती है।

1.25 करोड़ लाड़ली बहनों को

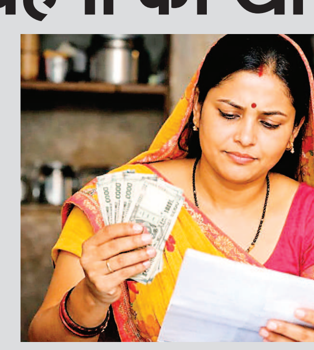

हर माह मिलते हैं 1500 रु

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मई 2023 में लाड़ली बहना योजना शुरू की गई थी। योजना के उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, परिवार में उनके निर्णय अधिकार को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सतत सुधार सुनिश्चित करना है। 10 जून 2023 को योजना की पहली किस्त जारी की गई थी।

योजना की शुरुआत में 1000 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी, जिसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 1,250 रुपये किया गया। इसके बाद नवंबर 2025 से राशि में पुन: 250 रुपये की वृद्धि की गई। इसके अतिरिक्त अगस्त 2023, 2024 व 2025 में रक्षाबंधन के मौके पर 250 रुपये की विशेष सहायता राशि भी बहनों को प्रदान की गई।

वर्तमान में सामान्य हितग्राही महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह (18000 रु सालाना) दिए जाते हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं को 900 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। भविष्य में योजना की चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 1500 से 3000 रुपये प्रति माह तक ले जाने का राज्य सरकार का लक्ष्य है।

ये है योजना पात्रता – कौन है योजना के लिए पात्र: मध्य प्रदेश की स्थानीय निवासी हो। विवाहित महिला के साथ निर्धन, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल हैं। 21 से 60 वर्ष तक की आयु की महिलाएं पात्रता के दायरे में आती हैं। स्वयं का बैंक खाता होने का साथ बैंक खाते मे आधार लिंक एवं डीबीटी सक्रिय होना चाहिए।